दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

सलग्नित

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,

नांदेड़

विषय हिंदी

पाठ्यक्रम

प्रमाणपत्र / मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 से प्रभावी

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग में प्रमाण पत्र एवं मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष की कलम से।

❖ **प्रस्तावना** :-

हिंदी प्रमाणपत्र कोर्स का उद्देश्य हिंदी भाषा के कौशल को विकसित करना और इसके विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करना है। यह कोर्स हिंदी भाषा के शिक्षार्थियों को हिंदी भाषा के विभिन्न कौशलों में महारत हासिल करने में मदद करेगा, जैसे कि पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना।

❖ **उद्देश्य** :-

1. हिंदी भाषा के विभिन्न कौशलों में महारत हासिल करना, जैसे कि पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना।
2. हिंदी भाषा के विभिन्न पहलुओं को समझना, जैसे कि व्याकरण, शब्दावली और भाषा की संरचना।
3. हिंदी भाषा का व्यावहारिक उपयोग करना, जैसे कि लेखन, बोलचाल और संचार में।
4. इंटरनेट और जनसंचार माध्यम का उपयोग करके हिंदी भाषा के कौशल को विकसित करना।

❖ **परिणाम** :-

1. विद्यार्थी स्पष्ट, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण हिंदी संवाद स्थापित कर सकेंगे।
2. शुद्ध लेखन, भाषण व प्रस्तुतीकरण में दक्षता आएगी।
3. साक्षात्कार, रिपोर्ट, आवेदन आदि लेखन में कौशल अर्जित करेंगे।
4. भाषा के सामाजिक, सांस्कृतिक उपयोगों की समझ विकसित होगी।

.

डॉ. प्रदीप सूर्यवंशी

अध्यक्ष,

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर के हिंदी विभाग प्रमाणपत्र और मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम अध्ययन बोर्ड ।

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर में हिंदी विभाग के प्रमाणपत्र एवं मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

अनु.क्र.	सदस्य का नाम कॉलेज का पता, विश्वविद्यालय संपर्क नंबर, ई-मेल	पदनाम	कॉलेज का पता, विश्वविद्यालय	भ्रमणध्वनि संख्या, ई-मेल
01	डॉ. प्रदीप सूर्यवंशी	अध्यक्ष	दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़	8482801714
02	डॉ. शेख एसके मुखत्यार एसके वाहब	सदस्य	कला महाविद्यालय बिडकीन तहसिल-पैठण, जिला- छत्रपति संभाजी नगर डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर	9405694305
03	डॉ. बळीराम संभाजी भुक्तरे	सदस्य	महाराष्ट्र उदयगिरी महाविद्यालय, उदगीर स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़	9421909343
04	डॉ. सिरसाट महारुद्र	सदस्य	दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़	7249724495
05	आडे कल्पना हरिलाल (छात्र सदस्य)	सदस्य	दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़	8149467573

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम संरचना के लिए सामान्य दिशा-निर्देश

1. स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र हैं।
2. इस पाठ्यक्रम के लिए कोई शुल्क नहीं है, यह सभी के लिए निःशुल्क है।
3. हमारे कॉलेज और अन्य कॉलेजों के छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।
4. प्रवेशित छात्रों को अपेक्षित अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एक प्रमाण पत्र मिलेगा।
5. पाठ्यक्रम विषय क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले अनुभवी संकाय द्वारा पढ़ाया जाना चाहिए।
6. छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए नियमित मूल्यांकन।
7. अवधि: आम तौर पर **5** सप्ताह से **6** सप्ताह।
8. मानविकी, सामाजिक विज्ञान और अन्य सहित विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए खुला है।
9. विषय के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
10. व्यावहारिक और अनुप्रयोग-उन्मुख, कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
11. छात्र विशेष कौशल और ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।
12. छात्र अपने प्राथमिक अनुशासन से परे विषयों का पता लगा सकते हैं।
13. पाठ्यक्रम व्यक्तिगत विकास और विकास को बढ़ावा दे सकते हैं।

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Credits & Teaching Scheme

क्रेडिट और शिक्षण योजना

कोर्स का शीर्षक	कोर्स कोड	**Credits Assigned** क्रेडिट असाइन किया गया			शिक्षण योजना घंटे/साप्ताहिक (**1** घंटा = **60** मिनट)		
		Theory सिद्धांत	**Practical** व्यावहारिक	**Total** कुल	**Theory** सिद्धांत	**Practical** व्यावहारिक	**Total** कुल
हिंदी भाषिक कौशल्य विकास	DACL-HIN301	30	20	02	04	02	06
इंटरनेट की उपयोगिता	DACL-HIN302	30	20	02	04	02	06
विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा	DACL-HIN303	30	20	02	04	02	06
जनसंचार माध्यम एवं हिंदी	DACL-HIN304	30	20	02	04	02	06

उदाहरण के लिए कोर्स कोड - हिंदी विभाग

DACLHIN301 UG I सेमेस्टर DACLHIN302 PG I सेमेस्टर

DACLHIN302 UG II सेमेस्टर DACLHIN303 PG II सेमेस्टर

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

शिक्षण योजना एवं अवधि

(Teaching Scheme &Duration)

कोर्स का शीर्षक	कोर्स कोड	शिक्षण योजना घंटे/साप्ताहिक (1 घंटा = 60 मिनट)			कुल अवधि (1 साप्ताहिक=6 घंटे)
		Theory	Practical	Total	
हिंदी भाषिक कौशल्य विकास	DACL-HIN301	04	02	06	30
इंटरनेट की उपयोगिता	DACL-HIN302	04	02	06	30
विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा	DACL-HIN303	04	02	06	30
जनसंचार माध्यम एवं हिंदी	DACL-HIN304	04	02	06	30

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

परीक्षा योजना

(Examination Scheme)

(25 अंक अन्तर्गत मूल्यांकन और **25** अंक **बहुविकल्पीय प्रश्न)**

(25 Marks Internal and 25 Marks MCQ)

कोर्स का शीर्षक	**कोर्स कोड**	**आंतरिक** (Internal)			MCQ **बहुविकल्पीय प्रश्न**	**कुल** Total
		संगोष्ठी **(Seminar)**	समूह चर्चा **(Group Discussion)**	गृहकार्य **(Home Work)**		
हिंदी भाषिक कौशल्य विकास	DACL-HIN301	10	10	05	25	50
इंटरनेट की उपयोगिता	DACL-HIN302	10	10	05	25	50
विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा	DACL-HIN303	10	10	05	25	50
जनसंचार माध्यम एवं हिंदी	DACL-HIN304	10	10	05	25	50

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title:- हिंदी भाषिक कौशल्य विकास

Course Code : DACL-HIN301

Syllabus

❖ **प्रस्तावना:**

हिंदी भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि भारतीय संस्कृति, साहित्य और परंपरा की अभिव्यक्ति का भी सशक्त साधन है। आज के वैश्वीकरण और डिजिटल युग में हिंदी भाषा के व्यावहारिक उपयोग, शुद्ध लेखन, प्रभावी वाचन तथा भाषिक अभिव्यक्ति की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है।

इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का गहन ज्ञान, व्याकरणिक शुद्धता, संप्रेषणीयता और भाषा के विविध कौशलों का विकास करने का अवसर प्राप्त होगा। यह कोर्स विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है जो अपने भाषिक स्तर को सशक्त बनाना चाहते हैं।

❖ **उद्देश्य:**

1. विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के चारों मौलिक कौशल– सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना विकास करना।
2. व्यावहारिक जीवन में हिंदी भाषा के प्रभावी प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
3. हिंदी के शुद्ध उच्चारण, व्याकरण और वाक्य रचना का अभ्यास कराना।
4. विद्यार्थियों में संचार कौशल को विकसित कर, उन्हें शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद आदि क्षेत्रों के लिए तैयार करना।
5. साहित्य, मीडिया, एवं अन्य पेशेवर क्षेत्रों में हिंदी भाषा के प्रयोग के अवसरों से परिचित कराना।

❖ **पाठ्यक्रम परिणाम :**

1. विद्यार्थी हिंदी भाषा में सही और प्रभावशाली संवाद स्थापित करने में सक्षम होंगे।
2. वे शुद्ध लेखन एवं वाचन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थियों में व्याकरणीय ज्ञान और व्यावहारिक उपयोग की समझ विकसित होगी।
4. वे भाषिक अभिव्यक्ति के माध्यम से सृजनात्मकता का विकास कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी भविष्य में शिक्षण, अनुवाद, मीडिया, प्रशासन आदि क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे।

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title : - हिंदी भाषिक कौशल्य विकास

Course Code : DACL-HIN301

Module No	इकाई	विषय	सामग्री को कवर करने के लिए आवश्यक घंटे 1 घंटा = 60 मिनट।
01	**इकाई**-1	**प्रारंभिक हिंदी व्याकरण और शब्दावली**	08
	1.1	संज्ञा : लिंग (पुल्लिंग, स्त्रीलिंग), वचन (एकवचन, बहुवचन) का परिचय।	
	1.2	सर्वनाम : पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक सर्वनाम।	
	1.3	शब्दावली: दैनिक उपयोग के शब्द (परिवार, रिश्ते, रंग, संख्याएँ, दिशाएँ, भोजन, पेय)।	
02	**इकाई**-2	**व्यावहारिक हिंदी संवाद कौशल**	08
	2.1	परिचय और अभिवादन : औपचारिक और अनौपचारिक अभिवादन, अपना परिचय देना और दूसरों का परिचय पूछना।	
	2.2	दैनिक वार्तालाप : मौसम, समय, स्थान, पसंद-नापसंद पर बातचीत।	
	2.3	फोन पर बातचीत: सामान्य फोन कॉल का शिष्टाचार।	
03	**इकाई**-3	**हिंदी लेखन और पठन कौशल**	07
	3.1	लेखन: शब्दों को सही ढंग से लिखना। सरल वाक्य लिखना। छोटे पैराग्राफ, अनुच्छेद लिखना (जैसे अपना परिचय, अपनी दिनचर्या)। औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लेखन का मूल परिचय	
	3.2	पठन: सरल हिंदी पाठों को पढ़ना और समझना (जैसे समाचार शीर्षक, विज्ञापन, छोटी कहानियाँ)। पढ़े गए पाठों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर देना। सही उच्चारण के साथ पढ़ने का अभ्यास।	
	3.3	अभ्यास: श्रुतलेख, पाठों का अनुवाद, लेखन अभ्यास।	
04	**इकाई**-4	**सांस्कृतिक समझ और आत्मविश्वास निर्माण**	07
	4.1	हिंदी भाषी संस्कृति का परिचय: सामान्य शिष्टाचार, त्योहार, खान-पान का संक्षिप्त परिचय।	
	4.2	कहावतें और मुहावरे: दैनिक उपयोग की कुछ सामान्य कहावतों और मुहावरों का अर्थ और उपयोग।	
	4.3	सामान्य ज्ञान : भारत और हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी।	
Total			30

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. डॉ. ओमकार नाथ श्रीवास्तव, हिंदी शिक्षण विधियाँ, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, प्रथम संस्करण-**2016**
2. डॉ. उदय नारायण तिवारी, हिंदी भाषा का व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण-**2014**
3. डॉ. हरदेव बाहरी, हिंदी शब्द सम्पदा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण-**2012**
4. डॉ. वी.एन. झा, संचार और भाषा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2015**
5. डॉ. रजनी शुक्ला, प्रभावी संप्रेषण कला, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2018**
6. डॉ. प्रतिभा दीक्षित, वाचन कला, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2017**
7. डॉ. अमरनाथ, रचनात्मक लेखन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, प्रथम संस्करण-**2013**
8. एस.पी. वर्मा, पत्र लेखन और रिपोर्ट लेखन, आर.बी.एसए. पब्लिकेशन, जयपुर, प्रथम संस्करण-**2019**
9. डॉ. नमवर सिंह, भाषा, साहित्य और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2011**
10. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिंदी साहित्य और भाषा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2010**
11. डॉ. रामविलास शर्मा, हिंदी भाषा और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2008**
12. केंद्रीय हिंदी निदेशालय, (संपादित) हिंदी भाषा शिक्षण श्रृंखला (खंड **1–3**), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, प्रथम संस्करण-**2020**

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title:- इंटरनेट की उपयोगिता

Course Code : DACL-HIN302

पाठ्यक्रम

❖ **प्रस्तावना:**

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें इंटरनेट एक अत्यंत शक्तिशाली माध्यम बन चुका है। इंटरनेट न केवल सूचना के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है, बल्कि यह शिक्षा, संचार, व्यवसाय, मनोरंजन, शोध, ई-गवर्नेंस, और सामाजिक संवाद के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी भूमिका निभा रहा है। इस पाठ्यक्रम में इंटरनेट की मूलभूत जानकारी, उसके उपयोग के विविध आयाम, सामाजिक और नैतिक पक्षों के साथ-साथ उसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा।

❖ **पाठ्यक्रम के उद्देश्य :**

1. विद्यार्थियों को इंटरनेट की मूलभूत संरचना और कार्यप्रणाली की जानकारी देना।
2. इंटरनेट के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उपयोगों से परिचित कराना।
3. विद्यार्थियों को ई-मेल, सर्च इंजन, वेब ब्राउज़िंग, सोशल मीडिया जैसे उपकरणों का व्यावहारिक ज्ञान देना।
4. इंटरनेट के सुरक्षा पहलुओं और साइबर एथिक्स की समझ विकसित करना।
5. डिजिटल युग में जिम्मेदार और सृजनात्मक उपयोगकर्ता के रूप में विकसित करना।

❖ **पाठ्यक्रम परिणाम :**

1. इंटरनेट की प्रभावशीलता और विविध कार्यक्षमता को समझ सकेंगे।
2. शैक्षणिक और पेशेवर संदर्भों में इंटरनेट का सार्थक और सुरक्षित उपयोग करना सीखेंगे।
3. सर्च इंजन, ई-मेल, क्लाउड, ऑनलाइन संसाधनों का प्रभावी रूप से प्रयोग कर सकेंगे।
4. इंटरनेट से जुड़े सामाजिक दायित्वों, साइबर सुरक्षा, और नैतिक उपयोग के प्रति सचेत होंगे।
5. डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अपनी भागीदारी निभाने में सक्षम होंगे।

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title : - इंटरनेट की उपयोगिता

Course Code : DACL-HIN302

Module No	इकाई	विषय	सामग्री को कवर करने के लिए आवश्यक घंटे 1 घंटा = 60 मिनट।
01	**इकाई**-1	**इंटरनेट का परिचय**	08
	1.1	इंटरनेट का इतिहास और विकास	
	1.2	इंटरनेट की परिभाषा और इंटरनेट की कार्यप्रणाली,	
	1.3	इंटरनेट की वेब, ब्राउज़र, **URL**	
02	**इकाई**-2	**इंटरनेट के प्रमुख उपयोग**	08
	2.1	शिक्षा और व्यवसाय क्षेत्र में इंटरनेट का उपयोग	
	2.2	संचार और सोशल मीडिया क्षेत्र में इंटरनेट का उपयोग ।	
	2.3	स्वास्थ्य और बैंकिंग क्षेत्र में इंटरनेट का उपयोग ।	
03	**इकाई**-3	**ऑनलाइन उपकरण**	07
	3.1	सर्च इंजन और **Google Tools**	
	3.2	क्लाउड स्टोरेज	
	3.3	ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म	
04	**इकाई**-4	**साइबर सुरक्षा व नैतिकता**	07
	4.1	पासवर्ड, गोपनीयता, ट्रोलिंग, साइबर अपराध, डिजिटल एथिक्स	
	4.2	ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता, ए.आई., ब्लॉकचेन आदि	
	4.3	डिजिटल इंडिया और इंटरनेट का भविष्य	
Total			30

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. सुमन शर्मा, इंटरनेट और इसकी दुनिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2021**
2. डॉ. राजेश मिश्रा, डिजिटल भारत और युवा, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण-**2020**
3. प्रो. विकास दुबे, साइबर सुरक्षा और नैतिकता , हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2022**
4. डॉ. सुरेश चौधरी, सूचना तकनीकी और संचारवाणी, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण-**2018**
5. डॉ. रीना त्रिपाठी, ई-गवर्नेंस और आई.सी.टी., प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2020**
6. डॉ. शैलेंद्र द्विवेदी, नेट एवं कंप्यूटर का परिचय, साक्षरता निकेतन, प्रयागराज, प्रथम संस्करण-**2021**
7. पी.के. सिन्हा, **Basic Internet Concepts (Eng-Hindi),** बी.पी.बी. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण-**2017**
8. अंजली गोस्वामी, **Information Technology and Its Applications,** टेक्नो पब्लिकेशन, जयपुर, प्रथम संस्करण-**2019**
9. अनिल कुमार , **Cyber Laws and Security (English), Kasson Books,** लुधियाना, प्रथम संस्करण-**2016**
10. भारत सरकार, **Digital Literacy Guide (Hindi),** डिजिटल इंडिया प्रोजेक्ट, **NIC** नवीनतम

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title:- विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा

Course Code : DACL-HIN303

पाठ्यक्रम

❖ **प्रस्तावना :**

आज के उपभोक्ता-केंद्रित युग में, विज्ञापन हमारी दैनिक दिनचर्या का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। ये सिर्फ उत्पादों या सेवाओं के बारे में जानकारी देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सोच, रुचियों और यहाँ तक कि व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। विज्ञापनों की यह व्यापक पहुँच और प्रभाव, उनमें प्रयुक्त भाषा की शक्ति का परिणाम है। विज्ञापन की भाषा न केवल सूचनात्मक होती है, बल्कि यह प्रेरक, आकर्षक और स्मृति में बसने वाली भी होती है। यह उपभोक्ताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ती है और उन्हें कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करती है।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा के विविध पहलुओं से परिचित कराएगा। इसमें विज्ञापन भाषा की विशिष्टताओं, उसकी संरचना, शैलीगत तत्वों और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों का गहन विश्लेषण किया जाएगा। छात्र यह समझेंगे कि कैसे शब्दों, वाक्यांशों और नारों का सावधानीपूर्वक चयन उपभोक्ताओं के मन पर गहरा प्रभाव डालता है और कैसे विज्ञापन विभिन्न माध्यमों (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल) में अपनी भाषा को अनुकूलित करते हैं। इस अध्ययन के माध्यम से, छात्र न केवल विज्ञापनों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना सीखेंगे, बल्कि स्वयं प्रभावी विज्ञापन सामग्री विकसित करने के लिए भी आवश्यक कौशल प्राप्त करेंगे।

❖ **उद्देश्य :**

1. विज्ञापन भाषा की प्रकृति को समझना: छात्रों को विज्ञापन भाषा की विशिष्ट विशेषताओं, जैसे संक्षिप्तता, सरलता, आकर्षकता, प्रभावोत्पादकता और भावनात्मकता से परिचित कराना।
2. विज्ञापन के भाषाई तत्वों का विश्लेषण करना: विज्ञापनों में प्रयुक्त विभिन्न भाषाई तत्वों जैसे शब्द-चयन, वाक्य-विन्यास, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, अलंकार, और नारों (टैगलाइन) के उपयोग का विश्लेषण करना सिखाना।
3. मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव की पड़ताल: यह समझाना कि विज्ञापन की भाषा उपभोक्ताओं की मनोविज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को कैसे प्रभावित करती है और उनसे कैसे प्रभावित होती है।
4. विभिन्न माध्यमों में भाषा का अनुकूलन: छात्रों को यह जानकारी देना कि प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो, और डिजिटल (सोशल मीडिया सहित) जैसे विभिन्न विज्ञापन माध्यमों में भाषा का उपयोग कैसे भिन्न होता है।
5. प्रभावी विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना: छात्रों को प्रभावी विज्ञापन कॉपी, शीर्षक, नारा और विवरण लिखने के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल प्रदान करना।

❖ **पाठ्यक्रम परिणाम :**

1. विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा का आलोचनात्मक विश्लेषण करना: विभिन्न विज्ञापनों की भाषा का गहराई से विश्लेषण करने और उसके निहितार्थों को समझने में सक्षम होंगे।
2. विज्ञापन भाषा की विशिष्टताओं को पहचानना: विज्ञापन भाषा को अन्य प्रकार की भाषाओं से अलग करने वाली विशेषताओं और तकनीकों को पहचान सकेंगे।

3. लक्ष्य-समूह के अनुसार भाषा का चयन करना: विभिन्न लक्ष्य-समूहों और उद्देश्यों के लिए उपयुक्त विज्ञापन भाषा का चयन करने की क्षमता विकसित करेंगे।
4. प्रभावी विज्ञापन सामग्री का निर्माण करना: आकर्षक और प्रेरक विज्ञापन शीर्षक, नारे और कॉपी लिखने के लिए भाषाई कौशल का उपयोग कर सकेंगे।
5. विभिन्न विज्ञापन माध्यमों के लिए भाषा को अनुकूलित करना: प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यमों की आवश्यकताओं के अनुरूप विज्ञापन भाषा को ढाल सकेंगे।
6. विज्ञापन की नैतिक और सामाजिक पहलुओं पर विचार करना: विज्ञापन की भाषा के सामाजिक प्रभाव और नैतिक जिम्मेदारियों के बारे में सूचित निर्णय ले सकेंगे।
7. संचार कौशल में सुधार: विज्ञापन भाषा के अध्ययन के माध्यम से अपने सामान्य भाषाई और संचार कौशल में सुधार कर सकेंगे।

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title:- विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा

Course Code : DACL-HIN303

नमूना अनु. क्र.	**इकाई**	**विषय**	**सामग्री को कवर करने के लिए आवश्यक घंटे** 1 **घंटा =** 60 **मिनट।**
01	इकाई-**1**	इकाई विज्ञापन और भाषा की अवधारणा	08
	1.1	विज्ञापन अर्थ एवं स्वरूप, परिभाषा, इतिहास, प्रकार और विज्ञापन का उद्देश्य	
	1.2	विज्ञापन के विभिन्न माध्यम (प्रिंट, रेडियो, टीवी, डिजिटल, आउटडोर)।	
	1.3	विज्ञापन में भाषा की भूमिका, भाषा का महत्व, विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा और कार्य	
02	इकाई-**2**	विज्ञापन भाषा के भाषाई तत्व	08
	2.1	नए शब्दों का गढ़ना, ध्वन्यात्मक शब्द और उनके प्रभाव। सकारात्मक और नकारात्मक शब्दावली का प्रभाव।	
	2.2	लघु वाक्य और उनकी प्रभावोत्पादकता। प्रश्नवाचक और विस्मयादिबोधक वाक्यों का प्रयोग।	
	2.3	प्रभावी नारे और शीर्षक की विशेषताएँ। नारे लेखन की तकनीकें।	
03	इकाई-**3**	विज्ञापन भाषा का मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव	07
	3.1	उपभोक्ता मनोविज्ञान और भाषा	
	3.2	संस्कृति, मूल्य और मान्यताओं का विज्ञापन भाषा पर प्रभाव।	
	3.3	विज्ञापन नियामक संस्थाएँ और आचार संहिता	
04	इकाई-**4**	माध्यमों के अनुसार विज्ञापन भाषा	07
	4.1	प्रिंट विज्ञापन (अखबार, पत्रिकाएँ):	
	4.2	छात्रों द्वारा विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास। शीर्षक, उपशीर्षक, बॉडी कॉपी, लोगो का भाषाई विश्लेषण।	
	4.3	टेलीविजन विज्ञापन: दृश्यों, ध्वनि और भाषा का संयोजन। वाचन शैली (**Voice-over)** और संवाद।	
Total			30

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. रश्मि शर्मा, विज्ञापन: भाषा और समाज, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली **2017**
2. डॉ. रामजी तिवारी, विज्ञापन और जनसंचार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली-**2016**
3. डॉ. कमल किशोर गोयनका , विज्ञापन लेखन और संप्रेषण कला, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-**2014**
4. डॉ. वसुधा मिश्रा, विज्ञापन और हिंदी भाषा, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली-**2018**
5. डॉ. संजय द्विवेदी, जनसंचार माध्यम और हिंदी भाषा, जनवाणी प्रकाशन, भोपाल **2019**
6. डॉ. रवींद्र पाठक, विज्ञापन मनोविज्ञान और भाषा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली-**2020**
7. केवल जे. कुमार , **Mass Communication in India (English), Jaico Publishing House, Mumbai-2011**
8. **William Wells, John Burnett, Effective Advertising (English) et al, Pearson Education-2010**

Course Title:- 'जनसंचार माध्यम एवं हिंदी'

Course Code : DACL-HIN304

पाठ्यक्रम

❖ **प्रस्तावना :**

वर्तमान युग को सूचना और संचार का युग कहा जाता है। जनसंचार माध्यमों — जैसे समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा, और डिजिटल मीडिया — ने व्यक्ति और समाज के बीच संवाद की नई दिशाएँ स्थापित की हैं। हिंदी, भारत की प्रमुख भाषा होने के नाते, इन माध्यमों में अभिव्यक्ति, प्रभाव और सामाजिक चेतना का सशक्त उपकरण बन चुकी है। यह पाठ्यक्रम जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा की भूमिका, प्रयोग, विकास और संभावनाओं का अध्ययन कराता है।

❖ **पाठ्यक्रम के उद्देश्य:**

1. जनसंचार के विविध माध्यमों की समझ और उनकी कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग, शैली और प्रभावशीलता का विश्लेषण करना।
3. मीडिया लेखन में हिंदी की उपयुक्तता और व्यावसायिक उपयोगिता को समझाना।
4. विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं आलोचनात्मक मीडिया लेखन क्षमता का विकास करना।
5. विद्यार्थियों को भाषा के सामाजिक सरोकारों और जनसंचार की उत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराना।

3. पाठ्यक्रम परिणाम :

1. जनसंचार माध्यमों की प्रकृति, इतिहास और वर्तमान स्वरूप को समझ सकेंगे।
2. मीडिया में हिंदी भाषा की भूमिका, प्रयोग और विकास का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. समाचार लेखन, फीचर लेखन, रेडियो-टीवी स्क्रिप्ट लेखन जैसे व्यावहारिक कार्यों में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
4. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी की शैलियों, भाषा-प्रयोग और भावप्रवणता को पहचान सकेंगे।
5. मीडिया की सामाजिक और भाषिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग बन सकेंगे।

दयानंद एज्युकेशन सोसाइटी...

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Course Title:- 'जनसंचार माध्यम एवं हिंदी'

Course Code : DACL-HIN304

नमूना अनु. क्र.	इकाई	विषय	सामग्री को कवर करने के लिए आवश्यक घंटे 1 घंटा = 60 मिनट।
01	**इकाई-1**	**जनसंचार का परिचय**	08
	1.1	जनसंचार अर्थ एवं स्वरूप, परिभाषा, प्रकार	
	1.2	जनसंचार का इतिहास और विकास	
	1.3	जनसंचार का उद्देश्य	
02	**इकाई**-2	**जनसंचार माध्यमों का वर्गीकरण**	08
	2.1	प्रिंट मीडिया, रेडियो, इंटरनेट	
	2.2	टेलीविजन, सिनेमा	
	2.3	सोशल मीडिया—प्रभाव एवं भूमिका	
03	**इकाई**-3	**हिंदी और डिजिटल मीडिया ई-पत्रकारिता,**	07
	3.1	ई-पत्रकारिता, ब्लॉगिंग	
	3.2	सोशल मीडिया पोस्ट	
	3.3	वेबसाइट सामग्री की भाषा और संरचना	
04	इकाई-**4**	मीडिया भाषा की विशेषताएँ	07
	4.1	संक्षिप्तता, बिंबात्मकता	
	4.2	सहजता, भावात्मकता	
	4.3	जन-प्रभावशीलता, तकनीकी शब्दावली	
Total			30

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. रश्मि शर्मा, जनसंचार और हिंदी भाषा, प्रभात प्रकाशन
2. गणेश शंकर विद्यार्थी, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, राष्ट्र भाषा प्रकाशन
3. डॉ. संजय द्विवेदी, मीडिया लेखन, वाणी प्रकाशन
4. डॉ. सुनील कुमार, जनसंचार माध्यम, विद्या संस्थान
5. **Mrinal Pande, Hindi Journalism in India (Eng), National Book Trust.**

.

MCQ Question Paper Pattern - with effect from 2025-2026

Time : 30 M Marks : 20

1. All Question equal Marks.
2. Total Question 20.
3. All Question will be Compulsory.

Q. 1 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 2 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 3 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 4 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 5 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 6 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 7 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 8 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 9 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 10 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 11 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 12 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------

C.---------- D.----------
Q. 13 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 14 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 15 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 16 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 17 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 18 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 19 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 20 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 21 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 22 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 23 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 24 ---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------
Q. 25---------- 01 Marks
A.---------- B.----------
C.---------- D.----------

दयानंद कला महाविद्यालय, लातूर

मानविकी संकाय के अंतर्गत हिंदी विभाग

प्रमाणपत्र/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम

Answer Sheet

Q. 1.	Q. 11.	Q. 21.
Q. 2.	Q. 12.	Q. 22.
Q. 3.	Q. 13.	Q. 23.
Q. 4.	Q. 14.	Q. 24.
Q. 5.	Q. 15.	Q. 25.
Q. 6.	Q. 16.	
Q. 7.	Q. 17.	
Q. 8.	Q. 18.	
Q. 9.	Q. 19.	
Q. 10.	Q. 20.	